(जनवरी–जून 2020 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, द्वितीय सेमेस्टर

MHL-C214

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पूर्णांक 100 सत्रांत परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट–6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–1 भारतीय नवजागरण, भारतेंदु युग : प्रमुख कवि और काव्य, भारतेंदु युगीन हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, द्विवेदी युग : प्रमुख कवि और काव्य, द्विवेदी युगीन हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद : प्रमुख कवि और काव्य, छायावाद युगीन हिन्दी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, स्वच्छंदतावादी काव्यधारा, राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा.

इकाई–2 प्रगतिवादी काव्यधारा : प्रमुख कवि और काव्य, प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएं, प्रयोगवाद : प्रमुख कवि और काव्य, प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएं, नई कविता : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ, नवगीत परम्परा, समकालीन हिन्दी कविता.

इकाई–3 हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का विकास- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध.

इकाई–4 हिन्दी गद्य की अन्य विधाओं का विकास- एकांकी, संस्मरण-रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा साहित्य, रिपोर्ताज. हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास.

इकाई–5 भारतीय नवजागरण में आर्य समाज की भूमिका, महर्षि दयानंद सरस्वती का हिन्दी गद्य और उसकी विशेषताएं, हिन्दी साहित्यकार के रूप में स्वामी श्रद्धानन्द का मूल्यांकन, भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता पर आर्य समाज का प्रभाव, द्विवेदी युगीन हिन्दी कविता पर आर्य समाज का प्रभाव.

आर्य समाज से प्रभावित हिन्दी के प्रमुख कवि, नाटककार, कथाकार. आर्य समाज की हिन्दी पत्रकारिता.

संदर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – राम चन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – राम कुमार वर्मा
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (खण्ड–1, 2) – डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ० राम स्वरूप चतुर्वेदी